



वरिष्ठ
राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

अपने से मिलने का समय 4 बजे, 3 बजे ही दिया हुआ है। 5 बजे के बाद वो अपने बच्चों से नहीं मिलता। भक्तों की तरफ देखने लगता है, लेकिन भक्तों से उसका मिलन होता नहीं। वे तो केवल प्रार्थना करते हैं, उसका गायन

अलौकिकता भरी जायेगी उसकी अनुभूति आपको बहुत अच्छी होगी। घर में बैठकर सुनने से ये अनुभूति 25 प्रतिशत रह जाती है। इसलिए वहाँ जाकर सुनना ये दूसरा ईश्वरीय मौज प्राप्त करने का तरीका है। क्योंकि

श्रीमत का पालन अवश्य करें...

अलौकिक जीवन ईश्वरीय मौजों की जीवन

करते हैं या पाठ करते हैं। उन्हें अल्पकालीन सुख मिल जाता है। जब तक वो कर रहे हैं मन खुश रहता है, शांति में रहता है फिर खत्म हो जाता है। हमें शिव बाबा ने स्वयं परम सद्गुरु बनकर ऐसी राह दिखा दी। हम सदा ईश्वरीय मौजों में रहें और ये मौज की जीवन उन्हें ही प्राप्त होती है, उन्हें ही अनुभव होती है जो भगवान की आज्ञाओं पर चलते हैं। कुछ आज्ञायें मैं सुना देता हूँ...

इस ईश्वरीय मुरली से, इन महावाक्यों से हमें महान विचार मिलते हैं। रोज हमारे विचारों में परिवर्तन आता है। हमें डीप रियलाइजेशन होता है कि हम कहाँ गलती कर रहे हैं। कहाँ हमारा संकल्प गलत है उसको कैसे ठीक करें। हमें परमात्म प्यार की अनुभूति होती है महावाक्य सुनने में।

तीसरी, हम ध्यान दें कि हमारा मन व्यर्थ विचारों के बहाव में न बह रहा हो। हमें चिंता करने की आदत न पड़ गई हो। हमें छोटी-छोटी बातों में परेशान होने का संस्कार न पड़ गया हो। हम एक्सपेक्शन की प्यासी निगाहों से दूसरों की ओर न निहारते रहते हों। इनसे ईश्वरीय मौज खत्म हो जायेगी। इन सबसे हम अपने को मुक्त करते चले। आप कहेंगे कैसे मुक्त करें, अपने हाथ में है क्या! ये सचमुच अपने ही हाथ में है। हम अपनी साधनाओं में प्रैक्टिस करते हैं। मैं आत्मा स्वराज्य अधिकारी हूँ... अपने मस्तक को देखें, मस्तक मेरा सिंहासन है। इस पर विराजमान हूँ, मैं राजा हूँ, मन-बुद्धि-संस्कारों की राजा। ये अपने को याद दिलायेंगे कि तुम मन के वश नहीं हो सकती। वो तुम्हारा मालिक थोड़े ही है, तुम मन के मालिक हो। मन को अच्छे-अच्छे विचार दो तो बुरे विचार करने छोड़ देगा। बस गड़बड़ यहीं हो रही है कि मनुष्य अपने को सुन्दर विचार नहीं दे रहा है। उसको व्हाट्सएप से विचार मिल रहे हैं, उसको फेसबुक से विचार मिल रहे हैं जो भिन्न-भिन्न साधन हैं। उसको इन सबसे विचार मिल रहे हैं तो उसके अपने सुन्दर विचार वो खत्म होते जा रहे हैं। मनुष्य के मन में एक क्रिएटिव एनर्जी है इन सबको देखने, सुनने से वो क्रिएटिव एनर्जी खत्म होती जा रही है। मन निर्बल होता आया है। और जब परीक्षा आई, परीक्षा माना चैलेंज-जेस आये तो उनका सामना करने की शक्ति रही ही नहीं। इसलिए इन तीन चीजों पर बहुत ध्यान देना है।

पहली श्रीमत- अमृतवेला। उससे मिलन की मौज। उसके स्वरूप पर बुद्धि स्थिर करेंगे, गहन आनंद की अनुभूति होगी। उससे बात

हमें शिव बाबा ने स्वयं परम सद्गुरु बनकर ऐसी राह दिखा दी। हम सदा ईश्वरीय मौजों में रहें और ये मौज की जीवन उन्हें ही प्राप्त होती है, उन्हें ही अनुभव होती है जो भगवान की आज्ञाओं पर चलते हैं।

करेंगे तो बहुत ज़्यादा आनंद और खुशी की अनुभूति होगी। उससे कई सुन्दर प्रेरणायें मिल जायेंगी सवरे-सवरे। ऐसा कह दें कि सवरे-सवरे अपने मन को, अपनी बुद्धि को आत्मा को चार्ज कर लेंगे। तो सारा दिन बहुत सुखों में बीतेगा। सफलता के साथ बीतेगा। टेंशन फ्री, स्ट्रेस फ्री बीतेगा।

दूसरी, उसके महावाक्य सुनना। आजकल बहुतों के फोन पर ही महावाक्य आते हैं, जिसको हम ज्ञान मुरली कहते हैं। लेकिन बहुत सुन्दर हो कि आप सवरे उठकर, तैयार होकर आप ईश्वरीय सेवाकेन्द्र पर जायें। वहाँ 50-100 के बीच ईश्वरीय महावाक्य सुनें। वहाँ के वायब्रेशन्स का सुख, सुनाने वाले की स्थिति के द्वारा जो महावाक्यों में एक

हमारी ये अलौकिक जीवन ईश्वरीय मौजों की जीवन है। लोग तो शायद सुनकर कल्पना मानेंगे या हैरान होंगे; कि हम भगवान के साथ जी रहे हैं। वो हमारी जीवन यात्रा पर हमारा साथी बन गया है। हम उसके साथ जुड़ गये। जैसे वो हमारे परिवार का हेड हो गया है और हम उसका ईश्वरीय परिवार। हम उसके प्यारे बच्चे, हम उसके अधिकारी बच्चे बन गए। वो हमें सबकुछ देने आ गया है। वो प्यार का सागर है। उसका सम्पूर्ण प्यार भी हमारे लिए है। वो ज्ञान का सागर है, उसने अपना सम्पूर्ण ज्ञान भी हमें दे दिया है। वो सुखों का सागर है। उसने हमें राह बता दी कि तुम ईश्वरीय सुखों में सदा कैसे रहो। सदा ही आनंद को कैसे अनुभव करो। मैं सर्वशक्तिवान हूँ... मेरे से शक्तियाँ कैसे लो। अगर हम ये सब करते रहते हैं तो हमारा जीवन ईश्वरीय जीवन मौज का जीवन हो जाता है। मौज माना अलौकिक आनंद।

एक दुनियावी मौज है पैसा हो गया, खा-पी रहे हैं, शराब पी रहे हैं, डांस देख रहे हैं, बहुत कुछ व्यसनो में चले गए तो लोग सोचते हैं कि हम तो बड़े मौज में रहते हैं हमारे घर में। इतने कार्य हैं, हमारा घर इतना बड़ा है। ठीक है सांसारिक दृष्टि से वो मौज है। लेकिन आजकल तो वो मौज नहीं रही है। जो ज़्यादा पी रहे हैं तो किसी की किड़नी फेल हो रही है, किसी का लिवर खत्म हो रहा है, हार्ट पर इफेक्ट आ रहा है। थोड़े दिन की मौज और सदाकाल के लिए जीवन बेकार हो जाता है। लोग उठते ही कोई फोन पर, कोई अखबारों में, देर से उठेंगे, क्योंकि भगवान ने तो हमें



जयपुर-वैशाली नगर(राज.)। बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी को योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 'योग विभूति' सम्मान से सम्मानित करते हुए राज्यपाल कलराज मिश्र। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर श्रीमति सौम्या गुर्जर की पहल पर राजस्थान के प्रतिष्ठित योगाचार्यों एवं योग के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले अनेक महानुभावों का इस मौके पर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी सहित हजारों की संख्या में योग प्रेमी उपस्थित रहे।



दिल्ली-लोधी रोड। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र में 'व्यवसायिक-व्यक्तिगत जीवन संतुलन' विषयक संगोष्ठी के दौरान समूह चित्र में मनोज कुमार, उपनिदेशक, डीजीसीए, अरुण रस्तगी, प्रबंधक, यूएनडीपी, ब्र.कु. पीयूष भाई, ब्र.कु. गिरिजा बहन एवं प्रतिभागी।



मोहाली फेज 7-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज के सुख शांति भवन सेवाकेन्द्र में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के पश्चात् उपस्थित हैं मोहाली क्षेत्र के राज्ययोग सेवाकेन्द्रों की सह-संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रमा बहन, ब्र.कु. अदिति, ब्र.कु. अमन, गुरचरन सिंह सरां पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।



सोनीपत से.15-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र में आयोजित 'सरपंच सम्मेलन' के दौरान डीसी ललित जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रमोद बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन व ब्र.कु. तुषि बहन। कार्यक्रम में सुरेंद्र पवार, एमएलए, पवन शर्मा, डीडीए, देवेन्द्र कोहार, एसडीओ, एग्रीकल्चर विभाग, राजीव सरोहा, सोनियर डिप्टी मेयर, सोनीपत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, सुमन जी, प्रिंसिपल, राजकीय विद्यालय, सोनीपत, सुमंत भाई, ब्र.कु. विशाल तिवारी भाई आदि शामिल रहे।



मॉस्को-रशिया। इंडियन कल्चरल सेंटर (एसआईटीए), मॉस्को द्वारा भारत के 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'आइलैंड ऑफ ड्रीम्स' में '8वें इंडिया डे फेस्टिवल' का भारतीय सांस्कृतिक महोत्सव रशियन मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर और द गवर्नमेंट ऑफ मॉस्को के तत्वाधान में आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिप्लोमैटिक मिशन के प्रतिनिधियों ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में एसआईटीए के अध्यक्ष मनोज कोटवानी ने कहा कि 'एक विश्व और एक परिवार' के लिए प्यार और करुणा उत्सव का उद्देश्य होना चाहिए। दुनिया भर में मानवता की सेवा करते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्थान मनुष्य को उसका उद्देश्य प्राप्त करने में मदद कर रहा है और इसी उद्देश्य से प्रतिदिन लगभग 20 प्रकार की वस्तुओं के साथ इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।



कंडाला-मोहाली(पंजाब)। गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल परमिंदर कौर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. कोमल बहन। साथ ही ब्र.कु. उषा बहन।



लुधियाना-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज द्वारा पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कृषि वैज्ञानिक, अनुसंधान विद्वान, जैविक खेती में शामिल किसानों और विद्यार्थियों के लिए शाश्वत योगिक खेती के तहत 'कृषि में विज्ञान और आध्यात्मिकता' विषय पर आयोजित व्याख्यान में ब्र.कु. राजू भाई, उपाध्यक्ष, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग, माउण्ट आबू, ब्र.कु. सुमंत भाई, मुख्यालय समन्वयक, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग, माउण्ट आबू, डॉ. प्रकाश सिंह बरार, ब्र.कु. सरस्वती बहन सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें, कॉलेज स्टाफ व स्टूडेंट्स मौजूद रहे।



भुवनेश्वर-केदार गौरी मंदिर(ओडिशा)। बलबीर सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर, ओएमपी एंड वीसी, बीडीए को ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय माउण्ट आबू एवं स्थानीय सेवाकेन्द्र में आने का निमंत्रण देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. इंदुमति बहन।



पतरात-रामगढ़(झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा 'आपका स्वास्थ्य आपके हाथ' विषयक छः दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज कोल्हान क्षेत्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. अंजू दीदी, बड़कागांव विधायक बहन अंबा प्रसाद, सीआईएसएफ के सीओ महेश पुरवाल, कटिया पंचायत के मुखिया किशोर कुमार महतो, ब्र.कु. विकास रंजन, स्पीरिचुअल हेल्पर एंड नेचर क्योर एक्सपर्ट, दिल्ली, ब्र.कु. डॉ. पीयूष रंजन, कार्यक्रम आयोजन कर्ता ब्र.कु. रामदेव सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।



चण्डीगढ़। 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज द्वारा टैरेस गार्डन में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के लिए योग थीम पर आयोजित कार्यक्रम में म्युनिसिपल काउंसलर श्रीमति अंजू कात्याल, श्रीमति प्रेम लता, ब्र.कु. उत्तरा दीदी, ब्र.कु. अनीता दीदी, ब्र.कु. कविता दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे। इसके साथ ही चण्डीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन एवं आयुष विभाग द्वारा रॉक गार्डन में योग दिवस के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित, एडमिनिस्ट्रेटर, यूटी चण्डीगढ़, जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, मेयर अनूप गुप्ता, डिप्टी कमिश्नर, सेक्रेटरी हेल्थ एवं यूटी के अन्य ऑफिसर्स सहित ब्रह्माकुमारीज से जुड़े लगभग 100 भाई-बहनें शामिल रहे। राज्यपाल द्वारा इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज को एग्रीशिएशन सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।